Roll No.: ....

Total No. of Questions : 5] [Total No. of Printed Pages : 2

W-3441

M.A.(Fourth Semester) Examination, June-2020

SANSKRIT

Paper - 403

Gadhya Tatha Champoo Kavya

Time : Three Hours

Maximum Marks : 85 (For Regular Students)
Minimum Pass Marks : 29
Maximum Marks : 100 (For Private Students)
Minimum Pass Marks : 34

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

इकाई – I

Q.1. निम्नलिखित पक्तियों की ससंदर्भ व्याख्या कीजियें।

i) ततोडवतीर्य तरूशाखायां बद्ध्वातुरङ्गम्उपसृत्य भगवते भक्त्या प्रणम्य त्रिलोचनाय तामेव दिव्ययोषितम निमिषपक्ष्मणा निश्चय निबद्धलक्ष्येण चक्षुषा पुन निरूपयामास।उत्पार्दिचास्य तस्यारूपसम्पदा कान्त्या प्रशान्त्या चार्विभूत विस्मयस्यमनसि–अहो जगति जन्तु नामसमर्थितोपनतान्या पर्तान्त वृत्तान्तराणि। तथाहि मयामृगयायां यदृच्छया निरर्थकमनुवघ्नता तुरङ्गमुख मिथुनम् अयमतिमनोहरो मानवानामगम्यो दिव्यजन सञ्चरणोचितः प्रदेशो विक्षितः। अत्रच सलिलभन्वेषमाणेन हृदयहारि सिद्धजनोप सृष्टजलं सरो दृष्टम्।

ii) निम्नकी व्याख्या कीजिए।
अथगीतावसाने मूकीभूतवीणा प्रशान्त मधुकर रूतेव कुमुदिनी सा कन्यका समुत्थाय प्रदक्षिणीकृत्य कृतहरप्रणामा परिवृत्य स्वभावधवलया तपः प्रभावप्रगल्भया दृष्टया समाश्रासयन्तीव पुण्यैरिव स्पृशन्ती, तीर्थजलैरिव प्रक्षालयन्ती, तपोभिरिव पावयन्ती, शुद्धिमिवकुर्वाणा, वरदानम् इवोपपादयन्ती, पवित्रतामिव नयन्ती, चन्द्रापीडमाब भाषे, स्वागत मतिथये, कथमिवां भूमिमनुप्राप्तो महाभागः तदुतिष्ठ आगम्यताम् अनुभूयतामथितिसत्कारः इति।

इकाई – II

Q.2. अ) महाश्वेतावृत्तान्त की अपने शब्दों में विवेचना कीजिए।
ब) चन्द्रापीड पात्र का चरित्रांकन कीजिए।

इकाई – III

Q.3. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

i) यस्य चतुरगोपशोभिताः संग्रामाइव ग्रामाः तुङ्गसकलभवना सर्वत्रनागा इव नगर प्रदेशाः सदाचरण मण्डनानि नूपुराणीव पुराणि सदान भोगा प्रभञ्जनाइवजनाः प्रियालपनसाराणि यौवनानीववनानि, विटपिहिताश्चटिका इव वापिकाः निर्वृत्रिस्थानानि सुकल–त्राणीवे क्षुक्षेत्रसत्राणि जला विलक्षणाः पशु पुरूषा इवा प्रमाणास्तडान्ग–भागाः कुपितकपिल कुला कुलितालङ्कश्वर किकरां इव भग्नकुम्भ कर्ण घनस्वापाः कूपाः पीवरोधसाः सरित इव गावाः।

ii) निम्न पद्यांश की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।
अत्रिजातस्य यामूर्तिः शशिनः सज्जनस्यच।
क्वसावैरात्रिजातस्य तमसोदुर्जनस्य च।।

इकाई – IV

Q.4. नल चम्पू के आधार पर दमयन्ती का चरित्र चित्रण कीजिए।

इकाई – V

Q.5. गद्य काव्य के उद्भव एवं विकास पर लेख लिखिए।